समझो लायब्रेरियन जी

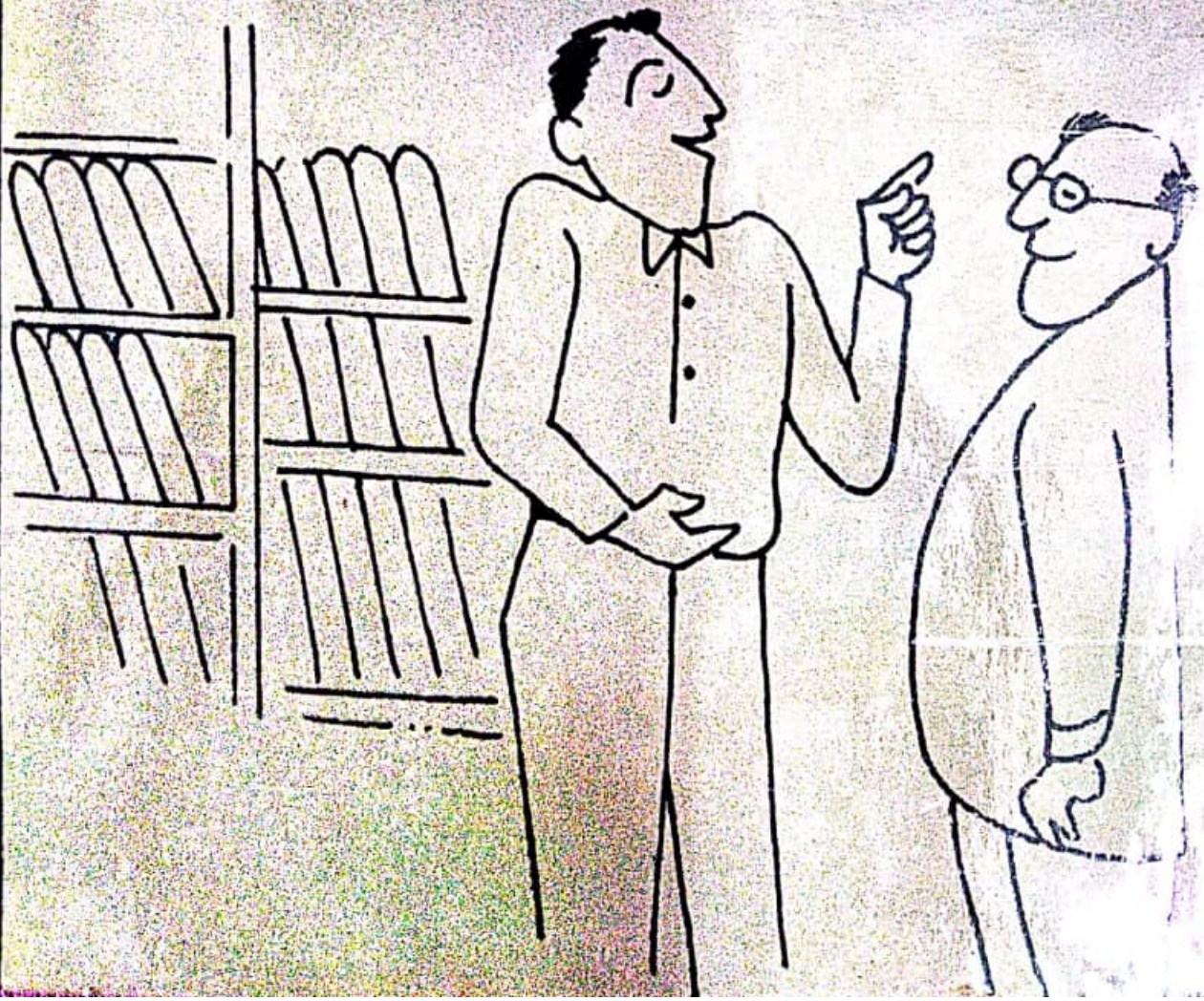

डॉ॰ रामस्वरूप ढेंगुला

समझे लायब्रेरियन जी

डॉ० रामस्वरूप ढेंगुला

आराधना ब्रदर्स
१५२ सी–गोविन्दनगर
कानपुर–२०८००६

Scanned with CamScanner

पुस्तक : समझे लाइब्रेरियन जी

लेखक : डॉ० रामस्वरूप ढेंगुला

मुद्रक व प्रकाशक : आराधना ब्रदर्स १२४/१३२ सी ब्लाक, गोविन्दनगर
कानपुर–२०८००६

प्रथम संस्करण : १५ अगस्त १९९०

मूल्य : चालीस रुपये मात्र

SAMAJHE LIBRARION JI

By : **Dr RAM SWAROOP DHANGULA**

Published By Aradhana Brothers, Kanpur–6

Price–Fourty Rupees Only

Scanned with CamScanner

कहानी-क्रम

विद्यालय की पीड़ा : ९
सास बहू : १६
गुरुजी : १८
मार्च : २०
संघर्ष : २३
नई नौकरी : २५
नई दुकानदारी के चार अनुभव : ३०
रहस्य : ३४
गोडगिफ्ट का न्याय : ३७
रेस्ट हाउस : ४०
महमान : ४३
सद्मा : ४७
माँ का पत्र : ५०
महाराजा गोविन्द सिंह : ५२
कलंका : ५५
पवित्र आत्मा : ५७
रामलीला : ६१
कोतवाली : ६४
कोतवाल साहब : ६५
महली-कूटनीति : ६७
महाराजा : ७०
साहब : ७३
घर : ७७

Scanned with CamScanner

डॉ० रामस्वरूप ढेंगुला

जन्म–२५–१०–१९५० दतिया
(म० प्र०)

पिता–श्री हित किशोर ढेंगुला

शिक्षा–एम० ए० पी-एच० डी०
(इतिहास)
बैचलर आफ लायब्रेरी
साइंस

सम्प्रति–वर्तमान में लायब्रेरियन
जिला पुस्तकालय
दतिया (म० प्र०)

प्रथम कृति–बुन्देलखण्ड का राजनैतिक
एवं सांस्कृतिक अनुशीलन
(शोध ग्रन्थ)

द्वितीय कृति–प्रस्तुत ग्रन्थ
समझे लायब्रेरियन जी

Scanned with CamScanner